

TECHNICAL FOLDER  
TEA 86/1



CSIR COMPLEX  
Palampur H.P.



REJUVENATION  
OF TEA GARDEN

उजाड़ चाय बागान  
का जीर्णोद्धार

ویران چائے باغات کی نو زندگی

Dilapidated tea gardens cover approximately 80% of the total area of about five thousand acre under tea in Himachal Pradesh. If these uncared for gardens are rejuvenated and infilled according to improved agro-techniques, it is possible to double or even quadruple yields levels producing eight to 15 lakh kg of made tea additional to the present level of production. Experience of the CSIR Complex in improving such a dilapidated tea estate at Banuri is related in this folder as a case study for standard improved practices in the tea gardens needing proper care.

हिमाचल प्रदेश में चाय के अंतर्गत कुल 5000 एकड़ क्षेत्र में से लगभग 80% क्षेत्र उजाड़ चाय बागान का है। यदि इन उजाड़ चाय बागान का सुधरी कृषि-तकनीक अपनाकर जीर्णोद्धार हो व खाली जगह भर दी जाए तो उत्पादन स्तर दगुना या चौगुना भी हो सकता है जो अब के निर्मित चाय के उत्पादन स्तर से आठ से 15 लाख किलोग्राम अतिरिक्त होगा। इसी प्रकार के उजाड़ चाय के बाग, बनुरी के जीर्णोद्धार में जो अनुभव सी.एस.आई.आर. कॉम्प्लेक्स ने प्राप्त किया है उसका उल्लेख इस फोल्डर में किया जा रहा है ताकि सुधरी हुई खेती की तकनीक का प्रयोग उन उजाड़ चाय बागान में हो सके जिनकी सही देखभाल की जरूरत है।

بائیں پرویش میں چائے کے تحت کل 5000 ایکڑ رقبہ میں سے لگ بھگ 80 فیصد رقبہ ویران چائے باغات کا ہے۔ اگر ان ویران چائے باغات کی نسوری زراعتی تکنیک اپنا کر زندگی نو ہو اور خالی جگہ भर دی جائے تو پیداوار کا درجہ دوگنا یا چوگنا بھی ہو سکتا ہے۔ جو موجودہ تیار ہونے والی چائے کی پیداوار کے درجہ سے آٹھ سے پندرہ لاکھ کلو گرام زیادہ ہوگا۔ اسی طرح کے ویران چائے کے باغ کی زندگی نو میں جو تجربہ کونسل آف سائنٹفک اینڈ انڈسٹریل ریسرچ کمیٹیس نے حاصل کیا ہے۔ اس کی جانکاری اس فوڈر میں دی جا رہی ہے۔ تاکہ نسوری ہوئی کھیتی کی تکنیک کا استعمال ان ویران چائے باغات میں ہو سکے۔ جن کی صحیح دیکھ بھال کی ضرورت ہے۔

Dear Tea Planter,

On this occasion of the inauguration of the first phase of our laboratory buildings, we have the pleasure to present this folder on 'Rejuvenation of Dilapidated Tea Gardens' for the benefit of tea growers. This is the second folder in the series of illustrated folders. Bank finance is also available for the rejuvenation of dilapidated Tea Gardens which is refinanced by the NABARD. The CSIR Complex has the pleasure of serving as technical consultants for improvement of Himachal teas.

Yours Sincerely,

(Prof.) N.K. JAIN  
Ph. D. (Illinois), C.P.Ag.  
Coordinating Director.

प्रिय चाय काश्तکار،

हमारे प्रयोगशाला भवन के पहले चरण के उद्घाटन के अवसर पर चाय काश्तकारों के लाभ के लिए हमें "उजाड़ चाय बागान के जीर्णोद्धार" पर यह फोल्डर प्रस्तुत करते हुए हर्ष है। सचित्र फोल्डरों की श्रृंखला में यह दूसरा फोल्डर है। उजाड़ चाय बागान के जीर्णोद्धार के लिए बैंकों से ऋण भी मिलता है जिसके लिए 'नाबाड' द्वारा पुनर्वित्त दिया जाता है। सी.एस.आई.आर. कॉम्प्लेक्स को हिमाचल की चाय के सुधार के लिए तकनीक परामर्शदाता के रूप में सेवा करने के लिए हर्ष है।

भवदीय,

(प्रो.) एन.के. जैन,  
पी.एच.डी. (इलिनॉय), सी.पी. एजी,  
समन्वयक निदेशक

صیران چائے کا نشتر

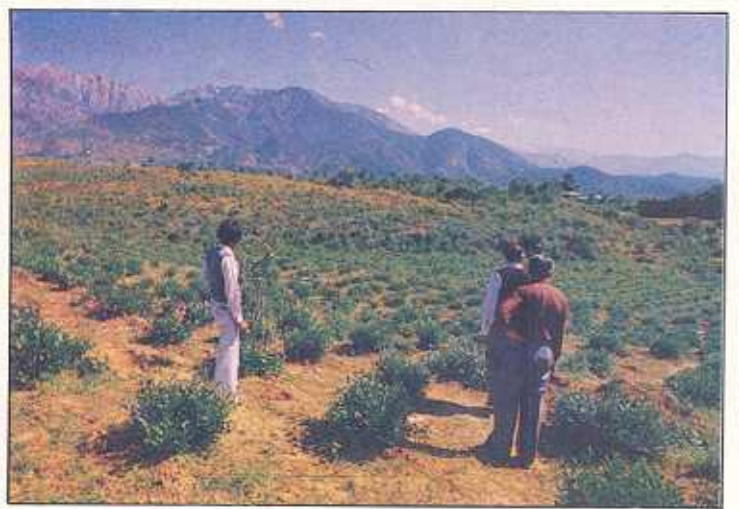
بھاری سیدرٹی کی عمارت کے پہلے حصہ کے افتتاح کے موقع پر چائے کا کشکاروں کے فائدہ کے لئے ہمیں "ویران چائے باغات کی نو زندگی" پر یہ فوڈر پیش کرتے ہوئے خوشی ہے۔ بالخصوص فوڈروں کی تقاریر میں یہ دوسرا فوڈر ہے۔ انبار چائے باغات کے مالکان کو نیکی سے فریب میں مل سکتا ہے۔ جس کے لئے تیارڈ کے ذریعہ امداد ہی دی جاتی ہے۔ کونسل آف سائنٹفک اینڈ انڈسٹریل ریسرچ کمیٹیس کو چائے کے سدھار کے لئے صلاحکار کی شکل میں خدمت کرنے کے لئے مست خوشی ہے۔

آپ کا صادق

پروفیسر۔ کے جین

پی. ڈی. (ایلیس)، سی. پی. ای. جی

کوآرڈینیٹنگ ڈائریکٹر



## REMOVE WILD BUSHES & WEEDS

## जंगली झाड़ियों व खरपतवार निकालें

## جنگلی جھاڑیاں و گھاس پھوس کا خاتمہ

Clear the area of dilapidated tea garden from wild bushes and weeds which have grown over the tea bushes. Dig out the roots of wild bushes. Also remove the dead and diseased tea bushes.

उजाड़ चाय बागान में उगी जंगली झाड़ियों व चाय के पौधों से ऊंचे उगे खरपतवारों को काटकर निकाल दें। जंगली झाड़ियों की जड़ों को खोदकर निकाल दें। चाय के मरे हुए व रोग ग्रस्त पौधों को भी निकाल दें।

دیریں چائے باغان میں اُگی جنگلی جھاڑیوں و چائے کے پودوں سے اُچی گھاس پھوس کو کاٹ کر نکال دیں۔ جنگلی جھاڑیوں کی جڑوں کو کھود کر نکال دیں۔ چائے کے مرے ہوئے اور بیماری میں مبتلا پودوں کو بھی نکال دیں۔

## PRUNE AT GROUND LEVEL

## जमीन की सतह पर काटछांट करें

## زمین کی سطح پر کاٹ چھانٹ کریں



Ground level collar pruning is found more suitable to bring new life to old tea bushes. Collar prune the branches at ground level; or even below the ground by removing the heaped up soil and exposing the covered stems. Remove all dead wood, diseased wood and knots. Pruning should be done preferably in November. Pruning during May is also acceptable.

चाय के पुराने पौधों में नई जान फूँकने के लिए जमीन की सतह तक डैथर करना अधिक अच्छा पाया गया है। डैथर जमीन की सतह तक करें, या शाखाओं के इर्दगिर्द जमी मिट्टी को हटाकर जमीन की सतह से नीचे तक भी काटा जा सकता है। सभी सूखी व रोग-ग्रस्त शाखाएं तथा गांठें काट दें। काटछांट नवम्बर में करें तो बेहतर होगा। मई में की गई काटछांट भी ठीक ही रहती है।

چائے کے پرانے پودوں میں نئی جان ڈالنے کے لئے زمین کی سطح تک ڈیٹھر کرنا کافی مفید ثابت ہوا ہے۔ ڈیٹھر زمین کی سطح تک کریں؛ یا ٹہنیوں کے ارد گرد جی مٹی کو ہٹا کر ٹہنیوں کو زمین کی سطح سے نیچے تک بھی کاٹا جا سکتا ہے۔ سبھی سوکھی و بیمار ٹہنیاں اور گانٹھیں کاٹ دیں۔ کاٹ چھانٹ نومبر میں کریں تو بہتر ہو گا۔ مئی میں کی گئی کاٹ چھانٹ بھی ٹھیک ہی رہتی ہے۔

# PRUNING CYCLE AND PLUCKING

काटछांट व तुड़ाई का ढंग

काٹ چھانٹ و تڑائی کا طریقہ



0 वर्ष : अक्टूबर/नवम्बर में जमीन की सतह तक डैंबर करें। 1 से वर्ष : जुलाई/अगस्त में जमीन से ऊपर 24" पर रिपाई करें। अगस्त से अक्टूबर तक तुड़ाई करें। नवम्बर/दिसम्बर में समतल घटाई करें या कुछ न करें। 2रे वर्ष : मार्च से मौसम के अन्त सितम्बर/अक्टूबर तक पिछली तुड़ाई की सतह पर (24" + बढ़ती) जन्म पत्ती तक तुड़ाई करते रहें। नवम्बर में जमीन से ऊपर 22" पर पहली टिपाई की सतह से दो इंच नीचे तक गहरी छटाई करें। 3रे वर्ष : मई में गहरी छटाई की सतह से ऊपर चार इंच पर टिपाई करें। सितम्बर/अक्टूबर तक इसी टिपाई की सतह पर जन्म पत्ती तक तुड़ाई करते रहें। नवम्बर में समतल छटाई करें या कुछ न करें। 4 से वर्ष : पिछले वर्ष की तुड़ाई की सतह पर जन्म पत्ती तक तुड़ाई करते रहें और सितम्बर के अंत तक सप्ताह के तुड़ाई चक्र को जारी रखें। अक्टूबर में कुछ न करें। नवम्बर में जमीन की सतह से 16" से 18" पर हल्की काटछांट करें। 5वें वर्ष : जुलाई में काटछांट की सतह से आठ इंच ऊपर टिपाई करें और तुड़ाई इस चक्र के पहले वर्ष की तरह जारी रखें। चाय के पौधों की सामान्य ढंग से काटछांट व तुड़ाई करें। सही ढंग से की गई तुड़ाई से आपको ज्यादा लाभ मिल सकता है। गलत ढंग से तुड़ाई करने से चाय के पौधों को भी नुकसान हो सकता है (अन्त के दो चित्र देखें)।



**0 YEAR :** Ground or collar prune in Oct.-Nov. **1st YEAR :** Tip the primary shoots at 24" above the ground in July/August. Carry on plucking from Aug. to Oct. Level off skiff is done in Nov./Dec. or left untouched. **2nd YEAR :** Pluck at the last plucking level (24" + creep) to Janam from March till the end of season in Sept/Oct. Deep skiffing is done at 2" below the first tipping level at 22" from the ground in Nov. **3rd YEAR :** Tip at 4" above the deep skiff level in May. Continue plucking to Janam at this tipping level upto Sept/Oct. Level off skiff is done in Nov. or left untouched. **4th YEAR :** Continue plucking at the last year's plucking level to Janam and follow weekly plucking cycle upto late Sept. Leave plants untouched in Oct. Light prune at 16" to 18" from the ground in Nov. **5th YEAR :** Tip at eight inch above the prune level in July and continue plucking as in the first year of cycle. Put the tea bushes on normal pruning and plucking. Right way of plucking gives you more returns. Wrong plucking even causes damage to tea plants (See last two pictures).



• साल : अक्टूबर/नवम्बर में जमीन की सतह तक डैंबर करें। 1 से वर्ष : जुलाई/अगस्त में जमीन से ऊपर 24" पर रिपाई करें। अगस्त से अक्टूबर तक तुड़ाई करें। नवम्बर/दिसम्बर में समतल घटाई करें या कुछ न करें। 2रे वर्ष : मार्च से मौसम के अन्त सितम्बर/अक्टूबर तक पिछली तुड़ाई की सतह पर (24" + बढ़ती) जन्म पत्ती तक तुड़ाई करते रहें। नवम्बर में जमीन से ऊपर 22" पर पहली टिपाई की सतह से दो इंच नीचे तक गहरी छटाई करें। 3रे वर्ष : मई में गहरी छटाई की सतह से ऊपर चार इंच पर टिपाई करें। सितम्बर/अक्टूबर तक इसी टिपाई की सतह पर जन्म पत्ती तक तुड़ाई करते रहें। नवम्बर में समतल छटाई करें या कुछ न करें। 4 से वर्ष : पिछले वर्ष की तुड़ाई की सतह पर जन्म पत्ती तक तुड़ाई करते रहें और सितम्बर के अंत तक सप्ताह के तुड़ाई चक्र को जारी रखें। अक्टूबर में कुछ न करें। नवम्बर में जमीन की सतह से 16" से 18" पर हल्की काटछांट करें। 5वें वर्ष : जुलाई में काटछांट की सतह से आठ इंच ऊपर टिपाई करें और तुड़ाई इस चक्र के पहले वर्ष की तरह जारी रखें। चाय के पौधों की सामान्य ढंग से काटछांट व तुड़ाई करें। सही ढंग से की गई तुड़ाई से आपको ज्यादा लाभ मिल सकता है। गलत ढंग से तुड़ाई करने से चाय के पौधों को भी नुकसान हो सकता है (अन्त के दो चित्र देखें)।

• साल : अक्टूबर/नवम्बर में जमीन की सतह तक डैंबर करें। 1 से वर्ष : जुलाई/अगस्त में जमीन से ऊपर 24" पर रिपाई करें। अगस्त से अक्टूबर तक तुड़ाई करें। नवम्बर/दिसम्बर में समतल घटाई करें या कुछ न करें। 2रे वर्ष : मार्च से मौसम के अन्त सितम्बर/अक्टूबर तक पिछली तुड़ाई की सतह पर (24" + बढ़ती) जन्म पत्ती तक तुड़ाई करते रहें। नवम्बर में जमीन से ऊपर 22" पर पहली टिपाई की सतह से दो इंच नीचे तक गहरी छटाई करें। 3रे वर्ष : मई में गहरी छटाई की सतह से ऊपर चार इंच पर टिपाई करें। सितम्बर/अक्टूबर तक इसी टिपाई की सतह पर जन्म पत्ती तक तुड़ाई करते रहें। नवम्बर में समतल छटाई करें या कुछ न करें। 4 से वर्ष : पिछले वर्ष की तुड़ाई की सतह पर जन्म पत्ती तक तुड़ाई करते रहें और सितम्बर के अंत तक सप्ताह के तुड़ाई चक्र को जारी रखें। अक्टूबर में कुछ न करें। नवम्बर में जमीन की सतह से 16" से 18" पर हल्की काटछांट करें। 5वें वर्ष : जुलाई में काटछांट की सतह से आठ इंच ऊपर टिपाई करें और तुड़ाई इस चक्र के पहले वर्ष की तरह जारी रखें। चाय के पौधों की सामान्य ढंग से काटछांट व तुड़ाई करें। सही ढंग से की गई तुड़ाई से आपको ज्यादा लाभ मिल सकता है। गलत ढंग से तुड़ाई करने से चाय के पौधों को भी नुकसान हो सकता है (अन्त के दो चित्र देखें)।

• साल : अक्टूबर/नवम्बर में जमीन की सतह तक डैंबर करें। 1 से वर्ष : जुलाई/अगस्त में जमीन से ऊपर 24" पर रिपाई करें। अगस्त से अक्टूबर तक तुड़ाई करें। नवम्बर/दिसम्बर में समतल घटाई करें या कुछ न करें। 2रे वर्ष : मार्च से मौसम के अन्त सितम्बर/अक्टूबर तक पिछली तुड़ाई की सतह पर (24" + बढ़ती) जन्म पत्ती तक तुड़ाई करते रहें। नवम्बर में जमीन से ऊपर 22" पर पहली टिपाई की सतह से दो इंच नीचे तक गहरी छटाई करें। 3रे वर्ष : मई में गहरी छटाई की सतह से ऊपर चार इंच पर टिपाई करें। सितम्बर/अक्टूबर तक इसी टिपाई की सतह पर जन्म पत्ती तक तुड़ाई करते रहें। नवम्बर में समतल छटाई करें या कुछ न करें। 4 से वर्ष : पिछले वर्ष की तुड़ाई की सतह पर जन्म पत्ती तक तुड़ाई करते रहें और सितम्बर के अंत तक सप्ताह के तुड़ाई चक्र को जारी रखें। अक्टूबर में कुछ न करें। नवम्बर में जमीन की सतह से 16" से 18" पर हल्की काटछांट करें। 5वें वर्ष : जुलाई में काटछांट की सतह से आठ इंच ऊपर टिपाई करें और तुड़ाई इस चक्र के पहले वर्ष की तरह जारी रखें। चाय के पौधों की सामान्य ढंग से काटछांट व तुड़ाई करें। सही ढंग से की गई तुड़ाई से आपको ज्यादा लाभ मिल सकता है। गलत ढंग से तुड़ाई करने से चाय के पौधों को भी नुकसान हो सकता है (अन्त के दो चित्र देखें)।

# INFILLING THE VACANCIES

# खाली जगह में पौधे लगाएं

# خالی جگہوں میں پودے لگائیں



Vacancies in the dilapidated gardens need infilling. Prepare pits of  $1\frac{1}{2}' \times 1\frac{1}{2}'$  size in April/May or earlier when labour is available. Infil two plants per vacancy + one e.g. three plants for one vacancy or five plants for two vacancies. Keep pits open for at least one month. Fill the pits with a mixture of soil + four kg Farm Yard Manure + 60 gms Superphosphate. Plant the infill in June. Old bushes can also be used for consolidation and infilling. Old bush is first collar pruned and dug out with soil ball. Transplant one old bush for infilling a vacancy. Watering is required immediately after planting. Leaf mulching is done around the infill slightly away from the stem. After six to eight week of planting the infills, apply fertilizer (10:5:10 N.P.K) at the following rate :

**O YEAR :** 45 gm, **1st YEAR :** 65 gm, **2nd YEAR :** 80 gm. (all in four split applications). Pruning and plucking of infills will dealt in forthcoming folder on 'Planting A New Tea Garden Proper shade over tea bushes is a must. Indigofera teysmanii can be planted as temporary shade plants. Permanent shade Plant is *Albizia chinensis* to be planted at  $40 \times 40'$  distance.

उजाड़ चाय बागान में खाली जगह को पौधे लगाकर भरना जरूरी है। मई या इससे पहले जब मजदूर उपलब्ध हो  $1\frac{1}{2}' \times 1\frac{1}{2}'$  आकार के गड्ढे बना लें। हर खाली जगह के लिए 2 + 1 पौधे लगाएं उदाहरण के तौर पर एक खाली जगह के लिए तीन या दो खाली जगहों के लिए पाँच पौधे। गड्ढों को कम से कम एक महीना खुला रखें। गड्ढों को मिट्टी + चार किलो गोबर की खाद + 60 ग्राम सुपरफॉस्फेट के मिश्रण से भर दें। पौधे जून में लगा दें। पुराने पौधे भी जमाबन्दी व खाली जगह पर लगाए जा सकते हैं। पुराने पौधों को पहले डैशर करें तथा उन्हें 'गाबी' समेत जमीन से निकाल लें। एक खाली जगह पर एक पुराना पौधा लगाएं। पौधा लगाने के बाद तुरन्त पानी दे दें। पौधे के इदीगर्द तने से कुछ दूर पत्तों की छाद बिछा दें। पौधे लगाने के छह से आठ सप्ताह बाद निम्न मात्रा में उर्वरक (10:5:10 एन.पी.के.) दें :

• वर्ष : 45 ग्राम, 1 से वर्ष : 65 ग्राम, 2रा वर्ष : 80 ग्राम (सभी चार चार बॉट कर)। नए लगाए गए पौधों की कटछॉट व तुड़ाई का उल्लेख आने वाले फोल्डर 'चाय नया बाग कैसे लगाएं' में किया जाएगा। चाय के पौधों पर सही छाया जरूरी है। अस्थाई तौर पर छाया के लिए इण्डोफेरा टेय्समनई नामक पौधे लगाएं। स्थाई छायादार पेड़ ओई  $40' \times 40'$  के अन्तर पर लगाएं।

ویران چائے باغوں میں خالی جگہ کو پودے لگا کر بھرا نا نہایت ضروری ہے۔ اپریل۔ مئی یا اس سے قبل جب مزدور دستیاب ہو۔  $1\frac{1}{2}' \times 1\frac{1}{2}'$  کے پودے لگائیں۔ مثلاً 2 + 1 کے پودے لگائیں۔ ہر خالی جگہ کے لیے 2 یا 3 پودے لگائیں۔ مثلاً 3 یا 5 پودے لگائیں۔ گڈوں کو کم سے کم ایک مہینہ کھلا رکھیں۔ گڈوں کو مٹی + چار کلوگرام گوبر کی کھاد + 60 گرام سپر فاسفیٹ کے میسج سے بھر دیں۔ پودے جون میں لگ دیں۔ پڑے پودے بھی جمع بندی و خالی جگہوں میں لگائے جا سکتے ہیں۔ پڑے پودوں کو پتے ڈیٹھ کر پتے و انہیں گلابی سمیت زمین سے نکال لیں۔ ایک خالی جگہ پر ایک پڑا پودہ لگائیں۔ پودے لگانے کے بعد فوراً پانی دے دیں۔ پودے کے ارد گرد تانے سے کچھ دور زمین کو خشک پتوں سے ڈیک دیں۔ پودے لگانے کے 6 سے 8 ہفتے بعد نیچے کبھی مقدار میں کھاد (10:5:10 این۔ پی۔ کے) دیں۔

5 سال : 45 گرام، پہلا سال : 65 گرام، دوسرا سال : 80 گرام (سبھی چار بار بٹ کر)۔ نئے لگائے گئے پودوں کی کاٹ پھاٹ و تڑائی کا بیان آنے والے فولڈر "چائے کا نیا باغ کیسے لگائیں" میں کیا جائے گا۔ چائے کے پودوں پر صحیح سایہ ضروری ہے۔ وقتی طور پر سایہ کے لئے اڈری گو پیئر ٹیمپٹ فی پودے لگائے جائیں۔ ہمیشہ سایہ کے لئے اپنی  $40' \times 40'$  کے فاصلے پر لگائیں۔